केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - २

रविवार, ७ मार्च, २०१० **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (५)	
	७ (८)	
	८ (६)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (६)	
	१३ (४)	
	१४ (८)	
विभाग-२, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	

प्रवीण-२

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''उन्होंने हमारी बहुत बड़ी रक्षा की है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''आज कहाँ रुके रहे ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''सांख्ययोगी, कर्मयोगी सभी हरिजन निकलना, हमें प्रसन्नता होगी ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. कुबेरदास को साधु बनने की इच्छा थी, लेकिन श्रीजीमहाराज ने उन्हें गृहस्थाश्रम में रहने की सलाह दी ।
२. डोसाभाई त्यागी के वस्त्र धारण कर गढ़डा आ गए ।
३. श्रीजीमहाराज की आज्ञा होते हुए भी निष्कुलानंद स्वामी स्त्रियों की सभा में बाते करने नहीं गए ।
४. टरोरो में अनेक जीव अंधकार के गर्त से निकलकर अभूतपूर्व सत्संगी हुए ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. मूलजी और कृष्णजी । **अथवा** २. जेतलपुर की गणिका ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. आज्ञा । **अथवा** ४. मानसी पूजा ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

गुण : ४

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. ब्रह्मविद्याप्रवर्तकाय नमः का अर्थ लिखिए । गुण : १

....

....

२. श्रीजीमहाराज ने किन दो वचनामृत में सोमला खाचर की प्रशंसा की है ? गुण : १

....

....

३. जेठा मेर और उनकी पत्नी कब से ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करते थे ? गुण : १

....

....

४. गुणातीतानन्द स्वामी ने किन दोषों को सत्संग से गिरानेवाले हेतु कहे हैं ? गुण : १

....

....

५. सपार्षद ध्यान यानि क्या ? गुण : १

....

....

६. संप्रदाय की पुष्टि कैसे शास्त्र से होती हैं ? गुण : १

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५	

प्र. ५ 'राजा को पानी नहीं पिलाया ....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कर के विवरण लिखिए । (कुल गुण : ५)**

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-६		प्र-७	

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : मगनभाई ।

१. प्रयत्न करो, सत्संग होगा । **२.** मगनभाई का जन्म ता. १५/८/१९०२ के दिन हुआ था । **३.** हरमानभाई ने स्वामी निगुर्णदासजी को पत्र से पहचान करवाई । **४.** शराब का पानी की तरह प्रयोग होता था, ऐसे किसुमु गाँव में उनका तबादला हुआ । **५.** मैं मगनभाई के द्वारा अफ्रीका में कार्य कर रहा हूँ । **६.** नैरोबी में स्टेशन मास्तर थे । **७.** मकीन्डु से क्रमश: सारे युगान्डा में सत्संग विस्तीर्ण हुआ । **८.** यहाँ अनेक भिन्न-भिन्न जातियों को सत्संग की ओर अभिमुख किया । **९.** मगनभाई का हरमानभाई के साथ संपर्क हुआ । **१०.** संवत् १९४४ में मगनभाई के हस्तों से पश्चिम अफ्रीका सत्संग मंडल की स्थापना कीजाबे में हुई ।

केवल नंबर - | | | | | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. वंदुं सहजानंद .....

.....

.....

.....

..... तजी कामने रे लोल ॥ गुण : २ |

२. जयसि कमलापति .....

.....

.....

.....

..... प्रेमानंद गरुडगामी ॥ गुण : २ |

३. केदि देशो मा संसारी .....

.....

.....

..... अहंकारी स्वभाव । गुण : २ |

४. शिर पर पुष्पनो .....

.....

.....

.....

..... शोभे घणेरां ॥ गुण : २ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

प्र. ८ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ६)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री अहिंसयज्ञप्रस्तोत्रे नम : .....

.....

.....

..... ॐ श्री सच्छास्त्रव्यसनाय नमः ॥ गुण : २

२. मायामयाकृतिः .....

.....

.....

..... शरणं प्रपद्ये ॥ गुण : २

३. श्रीवासुदेव ..... शरणं प्रपद्येः ॥ – श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग – २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''आप तो मंदिर के काम में व्यस्त रहते हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''मैं तो यों ही चला आया हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''वह ज्ञान आप मुझे प्रदान करें ! मैं उस ज्ञान का सर्वत्र प्रवर्तन करुँगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. गुणातीतानन्द स्वामी ने अपने हिस्से का लड्डू एक साधु को दे दिया ।
२. हंसराज पटेल को अपने जड़ स्वभाव का फल भुगतना पड़ा ।
३. भोलानाथ मूलजी भक्त को प्रभुभजन में सहयोग करने लगे ।
४. चरवाहा ने स्वामी के पैर पकड़ लिए और उनको गुरु स्वीकार किया ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ३ | |

( ) ....

....

....

गुण : ३	

(   ) ....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०	

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

गुण : ३	

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. हमारे तिलक । २. सेवा करे वही महंत । ३. स्वामी उपशम स्थिति में ।

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. गुणातीतानन्द स्वामी जूनागढ़ में कितने समय तक रहे ? | गुण : १ | |

.....

.....

२. गुणातीतानन्द स्वामी को क्या खाते हुए देखकर नागर भक्त का रसास्वाद मिट गया ? | गुण : १ | |

.....

.....

३. जूनागढ़ में मंदिर बनाने के लिए ज़मीन किसने दी ? | गुण : १ | |

.....

.....

४. मूलजी भक्त को दीक्षा कहाँ और कब प्रदान की ? | गुण : १ | |

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

५. कारियाणी में संतों ने स्वामी को उत्सव पर जाने की अनुमति देते हुए क्या प्रस्ताव रखा ? | गुण : १ |

.....

.....

६. मूलजी के घर महाराज किन किन भक्तों के साथ भोजन करने पधारे थे ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए ।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. एकात्मभाव । २. दर्शन की उत्कट इच्छा । ३. क्षमाशील ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१३		प्र-१४	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. हमारे अक्षरधाम की भेंट । गुण : २

(१) ☐ लालाभाई । (२) ☐ कुरजी दवे ।

(३) ☐ मयाराम भट्ट । (४) ☐ सोरठ प्रांत के सत्संगियों ।

२. तीर्थवासी रघुवीरजी महाराज । गुण : २

(१) ☐ खिचड़ी-कढी बना कर खा लेते ।

(२) ☐ देह का आदर संपूर्णत: छोड़ दिया ।

(३) ☐ एकांतिक भाव से मुमुक्षु होकर स्वामी का समागम किया ।

(४) ☐ कोई बड़े ओलिए पुरुष होंगे ।

३. अयोध्याप्रसादजी महाराज के निवास पर । गुण : २

(१) ☐ महाराज के सर्वोपरिस्वरूप की अद्‌भुत बातें कही ।

(२) ☐ सोना के थाल रूपी कचरे का त्याग ।

(३) ☐ आपको तो कचरा और कंचन दोनों एक समान हैं ।

(४) ☐ श्रीजीमहाराज की आज्ञा नहीं है ।

४. नागर भक्त का रसास्वाद । गुण : २

(१) ☐ थाली को फैंकता । (२) ☐ स्वामी के पास शिकायत ।

(३) ☐ इतने बड़े महंत मेवा-मिठाइयाँ खाते होंगे । (४) ☐ रोज मिठाइयाँ और नमकीन चाहिए ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**